

श्रिमुख 2) d) N. pr. einer Wanze **PĀNKAT.** 61,1. — 3) b) d. i. *Methonica superba* **RĀTNAM.** 38.

श्रिराजन् (श्र० + रा०) adj. Agni zum Fürsten habend, Beiw. der Vasu **ÇĀNKA.** 4,21,8.

श्रिवर्धन् adj. = श्रिवर्धक **RĀGAV.** im ÇKDRA.

श्रिवादिन् (श्र० + वा०) m. ein Verehrer des Feuers Verz. d. Oxf. H. 248,b,9.

श्रिवीति (richtiger °वोडा) n. mystische Bez. des Buchstabens r WEBER, **RĀMAT.** UP. 318.

श्रिवेण **MBU.** 1,5107. Verz. d. Oxf. H. 53,b,10. 121,b, No. 213. 310, a, 13. 317,b, N. 2. 338,a,2.

श्रिवेष्य fehlerhaft für °वेष्य; vgl. **MBU.** 1,6465. **HARIV.** 9373.

श्रिष्टाणा auch **MBU.** 1,854.

श्रिष्टाम् WEBER, **NAX.** 2,319.

श्रिष्टाला R. ed. **BOMB.** 6,10,16.

श्रिष्टेषु vgl. noch Ind. St. 3,381. *Feuerrest* Spr. 308. fgg.

श्रिष्टाम् Z. 2 lies eine Samsthā st. einen Theil; Z. 6 lies AV. 9, 6,40. 11,7,7. 12,3,33; Z. 7 lies काम्पलान्.

श्रिष्टामहोत्र n. Titel eines vedischen Buches Verz. d. Oxf. H. 391, a, No. 50; vgl. श्रिष्टामस्य हौत्रम् Verz. d. B. H. No. 121.

श्रिष्टि 2) b) Pfanne oder Kohlenbecken R. ed. **BOMB.** 6,10,16 (श्रिष्ट gedr.) = महानसादि Schol.

श्रिष्टिका (von श्रिष्टि) f. *Feuerbecken* Verz. d. Oxf. H. 35,a,43; vgl. die Addenda et Corrigenda.

श्रिष्टितात् auch **MBU.** 2,462 (°स्वात् ed. Calc.). Verz. d. Oxf. H. 39,b,39.

श्रिष्टितोयन (श्र० + स०) adj. die Verdauungskraft erregend **BHĀVAPR.** und **RĀGAV.** im ÇKDRA.

श्रिष्टस्त्र (श्र० + स०) n. N. pr. eines Tirtha Verz. d. Oxf. H. 60,a,38.

श्रिष्टसतिक auch **RAGH.** 11,48.

श्रिष्टसात् (von श्रिष्टि) adv. in Verbindung mit करु verbrennen **RAGH.** 8,71. **MĀLĀV.** 68,22. **KATHĀS.** 3,100. **RĀGĀ-TAR.** 3,226. **DAÇAK.** in **BENF.** Chr. 187,14.

श्रिष्टस्तभन n. = श्रिष्टस्तभ Verz. d. Oxf. H. 322,b,16.

श्रिष्टस्तृति (श्र० + स्तृ०) f. Titel eines Buches Verz. d. Oxf. H. 277,b,30.

श्रिष्टस्त्रामिन् auch Verz. d. Oxf. H. 152,b,10.

1. श्रिष्टोत्र Z. 9 lies 11,7,9 st. 11,9,9.

2. श्रिष्टोत्र 2) दोषधीमिरग्निकोषि: Verz. d. Oxf. H. 17,b, 3 v. u.

श्रिष्टोत्रिन् auch **MBU.** 13,1397.

श्रिष्टोत्रोच्छिष्ठ Z. 2 lies 2,3,4,39.

श्रिष्टोत्र्य m. pl. N. pr. eines Volkes in der Tatarei **VĀRĀH.** **BHU.** S. 14, 25, v. l., aber die richtige nach KERN. 'O-ki-ni **HIOUEN-THSANG** 1,1. A-ki-ni Vie de **HIOUEN-THSANG** 46.

श्रिष्टीध m. pl. N. pr. eines Volkes **VĀRĀH.** **BHU.** S. 14,23. — Vgl. श्रिष्टीत्य.

श्रिष्टोश्र (श्रिष्टि + ई०) N. pr. eines Heiligthums: °माहात्म्य Verz. d. Oxf. H. 30,a,4.

श्रिष्टाधान auch Spr. 3389.

श्रिष्टाधेय Z. 1 lies 11,11,8 st. 11,9,8.

श्रिष्टसादिन् (श्रिष्टि + त०) adj. der das heilige Feuer ausgehen lässt

Verz. d. Oxf. H. 282,b,1 v. u.

1. श्रप्त 3) श्रप्त् vor (auf die Frage *wohin*): तेरेतवृत्तेतर्य स नोतो ऽभूत् तेर wurde vor den König geführt **KATHĀS.** 26, 96. श्रप्ते voran **R.** 3, 34. 14. **PĀNKAT.** 243, 13. — 4) श्रप्ते mit einem ablat.: श्रप्तेनात्रादपे **CAT.** Br. 12, 6, 1, 41. in Verbindung mit einem absolut. zuerst **P.** 3, 4, 21. — 5) Z. 2 lies श्रप्तेन्द्रप्रिङ्गते वा०.

2. श्रप्त Z. 3 **MEGH.** 4 ist mit **WILSON** und **MALLIN.** स प्रत्यपै: zu lesen. — m. N. pr. eines Mannos gaṇa नातादि zu **P.** 4, 1, 99; vgl. 1. श्राप्तया०.

श्रप्तकर (1. श्रप्त + 1. u. 4. कर्) m. *Fingerspitze* und zugleich der erste Strahl **ÇIÇ.** 9, 34.

श्रप्तं auch Spr. 2493. **RĀGĀ-TAR.** 3, 196.

श्रप्तगण्य adj. würdig an der Spitze von (gen.) gerechnet zu werden श्रनभिद्वपाणाम् zum Hässlichsten der Hässlichen gezählt zu werden verdienend **DAÇAK.** in **BENF.** Chr. 184, 7.

श्रप्तन् 2) b) **VĀRĀH.** **BHU.** S. 13, 25. **DAÇAK.** 172, 11.

श्रप्तजन्मन् ein Brahmane auch **RAGH.** 3, 26.

श्रप्तामि m.: सताम् **Spr.** 794. तैतिभुजाम् 4068. महाकृताम् पीणाम् **RAGH.** 3, 4. श्रङ्गरसमयणमुदारुणस्तुपु **KUMĀRAS.** 6, 65. f.: सतीनामप्राणाः **Spr.** 4487. m. N. eines Agni **MBU.** 3, 14198.

श्रप्ततस् in Verbindung mit करु Jnd (acc.) vor sich kommen lassen **KATHĀS.** 2, 78. — am Anfange, im Voraus **Spr.** 2338.

श्रप्ततोर्य (1. श्रप्त + तीर्य) m. N. pr. eines Fürsten **MBU.** 1, 3701.

श्रप्तदितिषु = श्रप्ते० **TBH.** 3, 2, 8, 12.

श्रप्तदीप (1. श्रप्त + दीप) N. pr. einer Oertlichkeit **WILSON.** Set. Works 4, 173.

श्रप्ता (1. श्रप्त + 2. पा०) adj. zuerst von Etwas trinkend: मधुशुतानामयपास्तम् **MBU.** 12, 10436. — Vgl. श्रप्तया०.

श्रप्तपुर (1. श्रप्त + पुर०) n. N. pr. eines Klosters in Mathurā **WASSILJEW** 78.

श्रप्तुर् auch **VĀRĀH.** **BHU.** S. 2, 14: श्रप्तुरुक्ष भवेच्छ्राद्धे.

श्रप्तु (1. श्रप्त + 2. भू०) adj. an der Spitze seind, — stehend: भूतानामप्रभूर्विप्रः **MBU.** 1, 1326. — Vgl. ब्रह्मायन्.

श्रप्तायिन् vorangehend so v. a. der beste unter: मानधनाय० **RAGH.** 3, 3.

श्रप्तवक्त्र (श्रप्त + व॒) u. ein best. chirurgisches Instrument (Wise) **SUGR.** 2, 36, 4.

श्रप्तवत् (von श्रप्त) adj. zu oberst befindlich **TS.** 2, 3, 1, 3.

श्रप्तश्म (von श्रप्त) adv. von Anfang an **AV.** 12, 4, 33. 19, 6, 11.

श्रप्तसर्ता f. nom. abstr. von श्रप्तसरः श्रायोधनायसरतां त्रये वोर वाते **RAGH.** 3, 71.

श्रप्तू adj. **MBU.** 3, 14189 erklärt **NILAK.** durch मुद्यृ. — **RĀGĀ-TAR.** 5, 441 ist श्रप्तू (nicht श्रप्तू, wie **BENFET** annimmt) gemeint.

श्रप्तहार **MBU.** 3, 14693. 13, 679. **KATHĀS.** 7, 41. 20, 7, 10. 21, 113. 25, 74. **RĀGĀ-TAR.** 1, 90. 174. 342. 5, 23. Vgl. परिकूर 4, 3.

श्रप्तात् erklärt der Schol. durch वाटात्.

श्रप्ति pl.: श्रप्तो धिष्या देष्यरुपः als Verfasser verschiedener Sāman Ind. St. 3, 201, b.

श्रप्तिम 1) a) Ind. St. 8, 290. श्रप्तिमपाश्चात्यभागयोः सूच्याः der Spitze und des Oehres einer Nadel **Spr.** 3480.

श्रप्तिय Z. 3 lies 11, 6, 3 st. 11, 8, 2.